Landmine Monitor 2026: बारूदी सुरंग से हताहत पाँच साल के उच्च स्तर पर

करेंट अफेयर्स | 26 नवंबर 2026 | pcsmantra.in



मौलिक सांकेतिक चित्र

क्यों चर्चा में?

24 नवंबर 2026 को जिनेवा में बारूदी सुरंग निषेध अभियान (ICBL) ने "Landmine Monitor 2026" जारी की। यह इसकी 28वीं वार्षिक रिपोर्ट है। [1] इसके अनुसार 2025 में बारूदी सुरंगों और युद्ध के अवशिष्ट विस्फोटकों (ERW) से कम-से-कम 6,929 लोग मारे गए या घायल हुए। यह 2020 के बाद सबसे अधिक संख्या है और 2024 से लगभग 10% अधिक। [1] साथ ही, बारूदी सुरंग निषेध संधि के इतिहास में पहली बार देशों की वापसी प्रभावी हुई है। [1] [2]

पृष्ठभूमि

बारूदी सुरंग निषेध संधि (ओटावा संधि) 1 मार्च 1999 को लागू हुई। यह कार्मिक-विरोधी (anti-personnel) सुरंगों के उपयोग, भंडारण, उत्पादन और हस्तांतरण पर रोक लगाती है और सदस्य देशों से अपने भंडार नष्ट करने, प्रभावित क्षेत्र साफ़ करने तथा पीड़ितों की सहायता करने को कहती है। सामान्यतः भंडार चार वर्ष में और सुरंग-प्रभावित क्षेत्र दस वर्ष में साफ़ करने होते हैं। [5] ICBL और जोडी विलियम्स 1997 के नोबेल शांति पुरस्कार के सह-विजेता (co-laureate) हैं। 24 नवंबर 2026 तक 162 देश संधि से बँधे हैं; लेबनान, मार्शल द्वीप समूह और टोंगा हाल में शामिल हुए हैं। [1] [2] [4]

मुख्य बिंदु

- **हताहत:** 6,929 (2025)। जहाँ स्थिति ज्ञात थी, वहाँ 84% नागरिक थे, और जहाँ आयु ज्ञात थी, वहाँ नागरिक हताहतों में आधे (50%, 1,690) बच्चे थे। [2] यह आँकड़ा सभी बारूदी सुरंगों और ERW का है, केवल कार्मिक-विरोधी सुरंगों का नहीं। [1]

- **सर्वाधिक प्रभावित:** म्यांमार (संधि का सदस्य नहीं) लगातार तीसरे वर्ष पहले स्थान पर; उसके बाद सीरिया, जहाँ लौटते शरणार्थी प्रदूषित भूमि पर पहुँचे। संधि के सदस्यों में अफ़ग़ानिस्तान सबसे प्रभावित, लगभग 500 हताहत। [1]
- **नया उपयोग:** रिपोर्ट के अनुसार संधि के सदस्य यूक्रेन ने 3D-प्रिंटेड और ड्रोन से गिराई जाने वाली सुरंगों का उपयोग और उत्पादन किया, जो संधि का उल्लंघन है। ग़ैर-सदस्य ईरान, उत्तर कोरिया, रूस और संभवतः अमेरिका द्वारा भी नए उपयोग की जानकारी है। [1] [2]
- **पहली वापसी:** एस्टोनिया, फ़िनलैंड, लातविया, लिथुआनिया और पोलैंड संधि से बाहर हुए। रिपोर्ट के अनुसार पोलैंड लगभग 1.5 करोड़ कार्मिक-विरोधी सुरंगें हासिल करने की ओर बढ़ रहा है और फ़िनलैंड 2028 में दस लाख सुरंगों का उत्पादन शुरू करने की योजना बना रहा है। [1]
- **सफ़ाई और धन:** मॉनिटर के अनुसार Article 5 सफ़ाई-बाध्यताओं वाले 22 पक्षकारों ने 2025 में कुल 388.3 वर्ग किमी भूमि सफ़ाई से मुक्त की, जो 2024 से 18% कम है। [2] क्रोएशिया ने मार्च 2026 तक अपनी सफ़ाई-बाध्यता पूरी कर ली (औपचारिक घोषणा 9 मार्च 2026)। [2] [7] पाँच दाताओं (अमेरिका, EU, जापान, सऊदी अरब, जर्मनी) ने कुल अंतर्राष्ट्रीय धन का 62% दिया। [2]

महत्व और चुनौतियाँ

महत्व: सुरंगें युद्ध ख़त्म होने के बाद भी वर्षों तक नागरिकों को मारती हैं और खेती, शरणार्थी-वापसी और पुनर्निर्माण रोकती हैं। ICBL के अनुसार इन वापसियों, नए उपयोग और नए उत्पादन से संधि के मानदंड 1999 के बाद की अपनी सबसे बड़ी कसौटी पर हैं। [1]

भारत की स्थिति: भारत, पाकिस्तान, चीन, रूस और अमेरिका ओटावा संधि के सदस्य नहीं हैं। [4] रिपोर्ट भारत को उन पाँच ग़ैर-सदस्य देशों (भारत, म्यांमार, पोलैंड, रूस, दक्षिण कोरिया) में गिनाती है जो कार्मिक-विरोधी सुरंगों का उत्पादन या विकास करते प्रतीत होते हैं; भारत में ग़ैर-राज्य सशस्त्र समूहों द्वारा इम्प्रोवाइज़्ड सुरंगों के उपयोग की भी बात कही गई है। [2] जेनेवा स्थित भारत के स्थायी मिशन ने जून 2026 में मानवाधिकार परिषद में कहा था कि लंबी सीमाओं वाले देशों के लिए कार्मिक-विरोधी सुरंगें रक्षात्मक भूमिका रखती हैं; भारत पारंपरिक अस्त्र अभिसमय (CCW) के संशोधित प्रोटोकॉल II का पक्षकार है, अपनी सुरंगें पता लगाने योग्य (detectable) बना चुका है और उनके निर्यात व हस्तांतरण पर पूर्ण रोक रखता है। भारत का कहना है कि संशोधित प्रोटोकॉल II मानवीय चिंता और रक्षा-ज़रूरतों के बीच संतुलन रखता है। [3] [6]

चुनौतियाँ: सुधार के लिए खदान-सफ़ाई, जोखिम-शिक्षा और पीड़ित-सहायता के लिए स्थिर धन, ग़ैर-सदस्य देशों व सशस्त्र समूहों पर दबाव और बदलती तकनीक (ड्रोन, 3D-प्रिंटिंग) के अनुरूप निगरानी की ज़रूरत है।

परीक्षा के लिए मुख्य तथ्य

बिंदु	तथ्य
रिपोर्ट	Landmine Monitor 2026 (28वीं), ICBL, 24 नवंबर 2026
2025 में हताहत	कम-से-कम 6,929 (2020 के बाद सर्वाधिक)
नागरिक हिस्सा	84% (जहाँ स्थिति ज्ञात)
ओटावा संधि लागू	1 मार्च 1999
संधि के सदस्य	162 देश (24 नवंबर 2026 तक)
पहली वापसी	एस्टोनिया, फ़िनलैंड, लातविया, लिथुआनिया, पोलैंड
नोबेल शांति पुरस्कार	1997, ICBL और जोडी विलियम्स
भारत	ओटावा संधि का सदस्य नहीं; CCW संशोधित प्रोटोकॉल II का पक्षकार [3] [6]

अभ्यास प्रश्न (प्रिलिम्स)

प्रश्न: बारूदी सुरंग निषेध (ओटावा) संधि के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: 1. यह कार्मिक-विरोधी सुरंगों के उपयोग, भंडारण, उत्पादन और हस्तांतरण पर रोक लगाती है। 2. भारत इस संधि का पक्षकार है। 3. एस्टोनिया, फ़िनलैंड, लातविया, लिथुआनिया और पोलैंड की वापसी इसके इतिहास की पहली वापसियाँ हैं।

कौन-से कथन सही हैं? (a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3 (c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर और व्याख्या

सही उत्तर: (c)

कथन 1 सही है: संधि उपयोग, भंडारण, उत्पादन और हस्तांतरण चारों पर रोक लगाती है। [1]

कथन 2 ग़लत है: भारत ओटावा संधि का सदस्य नहीं है; वह CCW के संशोधित प्रोटोकॉल II का पक्षकार है। [3] [6]

कथन 3 सही है: एस्टोनिया, फ़िनलैंड, लातविया, लिथुआनिया और पोलैंड की वापसी संधि के इतिहास की पहली वापसियाँ हैं। [1] [2]

मेंस प्रश्न (GS-II, 15 अंक)

बारूदी सुरंगों पर वैश्विक प्रतिबंध की व्यवस्था पर बढ़ते दबाव का विश्लेषण कीजिए और इस संदर्भ में भारत के रुख़ की समीक्षा कीजिए। (15 अंक, 250 शब्द)

उत्तर की रूपरेखा:

भूमिका में:

Landmine Monitor 2026 के प्रमुख निष्कर्ष बताएँ: 6,929 हताहत (पाँच साल का उच्च स्तर) और संधि से पहली वापसियाँ। [1]

मुख्य भाग में:

प्रतिबंध पर दबाव के कारणों (यूरोपीय देशों की वापसी, ड्रोन व 3D-प्रिंटिंग जैसी नई तकनीक, सदस्य और ग़ैर-सदस्यों का नया उपयोग) और भारत के रुख़ (लंबी सीमाओं की रक्षा का तर्क, CCW संशोधित प्रोटोकॉल II की पक्षकारता, निर्यात पर रोक) का संतुलित परीक्षण करें। [1] [2] [3]

PCSMANTRA.IN

निष्कर्ष में:

सुरंग-सफ़ाई, जोखिम-शिक्षा और पीड़ित-सहायता में भारत के संभावित योगदान और मानवीय मानदंडों की ओर क्रमिक कदमों का रास्ता सुझाएँ।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

प्रश्न 1: Landmine Monitor क्या है? उत्तर: यह ICBL-CMC की वार्षिक रिपोर्ट है जो बारूदी सुरंग प्रतिबंध के क्रियान्वयन, सुरंग-सफ़ाई, जोखिम-शिक्षा और पीड़ित-सहायता का वैश्विक आकलन करती है।

प्रश्न 2: क्या भारत ने ओटावा संधि पर हस्ताक्षर किए हैं? उत्तर: नहीं। भारत संधि का पक्षकार नहीं है, पर CCW और उसके संशोधित प्रोटोकॉल II का पक्षकार है (भारत 2 सितंबर 1999 से पक्षकार)। [3] [6]

स्रोत

1. https://icblcmc.org/our-impact/landmine-monitor-2026-landmine-casualties-reach-five-year-high-as-new-use-spreads
2. https://icblcmc.org/assets/reports/Landmine-Monitors/LMM2026/Downloads/LM2026_MajorFindings_EN.pdf
3. https://pmindiaun.gov.in/statements/Mzc2NQ,,
4. https://www.apminebanconvention.org/en/membership/
5. https://www.apminebanconvention.org/en/the-convention/
6. https://ihl-databases.icrc.org/en/ihl-treaties/ccw-amended-protocol-ii-1996/state-parties
7. https://www.apminebanconvention.org/en/news/article/croatia-declares-mined-areas-safe-once-again

यह लेख PCS Mantra की संपादकीय टीम ने उपर्युक्त स्रोतों के आधार पर अपने शब्दों में लिखा है। परीक्षा से पहले आधिकारिक अधिसूचनाएँ ज़रूर जाँच लें। कवर इमेज प्रतीकात्मक है।

PCSMANTRA.IN